▶ *अथवा,* प्राथमिक समूह की विशेषताएं बताय।

उत्तर : प्राथमिक समूह और गौण समूह में अन्तर –

प्राथमिक समूह	गौण (द्वितीयक) समूह
(1) प्राथमिक समूह का आकार छोटा होता है।	(1) गौण समूह का आकार बड़ा होता है।
(2) प्राथमिक समूह के सदस्यों में घनिष्ठता, प्रेम और मित्रता की भावना अधिक होती हैं।	(2) किन्तु गौण समूह में सदस्यों का सम्बन्ध अवैयक्तिक (impersonal) होता है।
(3) प्राथमिक समूह के सदस्यों का उद्देश्य एक होता है और इनके बीच अपनत्व की भावना होती है। इसलिए प्राथमिक समूह अधिक टिकाऊ होता है।	(3) गौण समूह के सदस्यों का उद्देश्य अलग-अलग होता है। इनके बीच अपनत्व की भावना नहीं होती है।
(4) प्राथमिक समूह का निर्माण किसी विशेष हित या स्वार्थ के आधार पर नहीं होता है बल्कि सामान्य आधार पर होता है।	(4) गौण समूह का निर्माण किसी विशेष उद्देश्य के आधार पर होता है।
(5) प्राथमिक समूह के सदस्यों के बीच प्रत्यक्ष और आमने-सामने (face to face) का सम्बन्ध होता है।	(5) गौण समूह के सदस्यों के बीच अप्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है जो समाचार पत्र, रेडियो आदि के द्वारा भी स्थापित किया जा सकता है।
(6) प्राथमिक समूह के बीच जो सम्बन्ध होता है वह स्वाभाविक होता है।	(6) गौण समूह के सदस्यों के बीच जो सम्बन्ध होता है वह अस्वाभाविक होता है।
(7) प्राथमिक समूह का कार्यक्षेत्र सीमित होता है, जैसे – परिवार की आवश्यकताओं की पूर्त्ति करना।	(7) गौण समूह का कार्यक्षेत्र विस्तृत तथा बड़ी आंवश्यकताओं की पूर्त्ति करने के लिए होता है, जैसे–एक विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं की पूर्त्ति करने के लिए कार्यक्षेत्र विस्तृत होता है।
(9) प्राथमिक समूह के सदस्यों का पारस्परिक सम्बन्ध अनौपचारिक (informal) होता है।	(9) गौण समूह के सदस्यों का सम्बन्ध औपचारिक (formal) होता है।

Scanned by CamScanner